

media coverage



**Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2026' organised by the
Indian National Theatre**

*"Hindustani classical vocalist Bhuvanesh Komkali's soulful vocal
recital evoked the spirit of the monsoon, leaving the audience
spellbound"*



INDIAN NATIONAL THEATRE, CHD.

in association with

THE DURGA DAS FOUNDATION

cordially invites you to

वर्षा ऋतु संगीत संध्या २०२६

Our monsoon celebration, honouring the legacy of
our late patron, Shri Navjeevan Khosla.

ARTISTE:

BHUVANESH KOMKALI - VOCAL

ACCOMPANIED BY:

SHAMBHU NATH BHATTACHARJEE - TABLA

CHETAN NIGAM - HARMONIUM

COMPÈRE:

ATUL DUBEY

VINITA GUPTA (HON. SEC.)

ANIL NEHRU (PRESIDENT)

Saturday, August 9, 2026 at 6:30 PM
Newton Hall, Strawberry Fields High School, Sector 26, Chd

www.indiannationaltheatre.com

Bhuvanesh Komkali

Born into a rich legacy of music, Bhuvanesh Mukul Komkali was destined to be a singer. Surrounded by the sound of an incomparable vocalist tradition since conception, Bhuvanesh grew up with the rhythms and shifting weight of original compositions imbuing his senses. Even if he cared not to listen, the pulse could not be ignored because it was in his blood.

Grandson of Pandit Kumar Gandharva, son of Mukul Shivputra, Bhuvanesh's musical journey began, unbeknownst to him, in infancy. Bhuvanesh's earliest memories are filled with the sounds of early morning practice, performances and recordings. An amazing repertoire made its way into the very cells of his being, even as he graduated from college with a commerce degree.

Bhuvanesh's musical quest continues today under the tutelage of Smt. Vasundhara Komkali and Shri Madhup Mudgal. Analytical environment and meditating over the different aspects of classical music boosted energy to bloom and glow his artistic personality.

Learning the rudiments of vocal music under such accomplished teachers has deepened Bhuvanesh's appreciation for his forefathers' talents and renewed his commitment to preserve and extend his heritage. By following the values and philosophy established by Pandit Kumar Gandharva, Bhuvanesh proves his commitment and persistence for music through his singing.

He is currently engaged in enriching the archives of Pandit Kumar Gandharva's music using the latest in digital technology. Bhuvanesh has composed music for Hindi feature film 'Devi Ahilya' with Kathak dance. Bhuvanesh has performed successfully in almost all over India in reputed music festivals and has been highly appreciated by the well versed audience. He has been awarded with scholarship by cultural department of Government of India.



INDIAN NATIONAL THEATRE, CHD.

In association with

THE DURGA DAS FOUNDATION

presents

वर्षा ऋतु संगीत संध्या २०२६

Bhuvanesh Komkali



Born into a renowned musical legacy, Bhuvanesh Komkali grew up speaking the language of ragas. The grandson of the legendary Pandit Kumar Gandharva and son of Shri Mukul Shivputra, he carries the artistic heritage of the Gwalior gharana with quiet authority.

Under the tutelage of Smt. Vasundhara Komkali and Shri Madhup Mudgal, his performances are as commanding as they are rooted. Offstage, he is committed to digitising Panditji's vast music archives and serves as Secretary of the Kumar Gandharva Pratishthan in Dewas.

Saturday, August 9, 2026 at 6:30 PM
Newton Hall, Strawberry Fields High School, Sector 26, Chd

www.indiannationaltheatre.com



Maharudra



Maharudra



Maharudra



Pre Event Coverage



Timeless tradition

Kumar Gandharva's grandson
Bhuvanesh to perform in Chandigarh

Bhuvanesh Korkali grew up speaking the language of ragas. Born into one of India's most storied musical families, the grandson of the legendary Pandit Kumar Gandharva and son of Shri Mukul Shivaputra, Korkali carries the artistic heritage of the Gauri gharana with quiet authority.

Trained by Vasandhara Korkali and Madhusu Mishra, Korkali's performances are as commanding as they are noted. Learning from such accomplished teachers, he says, has deepened his appreciation for his legacy and shaped his resolve to carry it forward.

This is especially visible in Korkali's efforts to preserve his musical inheritance by digitising Pandit Gandharva's music archives. He also serves as Secretary of the Kumar Gandharva Pratishthan in Dehra.

Korkali's artistic abilities have been widely recognised, earning him a scholarship from the cultural department of the Government of India, as well as the Shantimukhananda Shiksha Award (2009), the Mallikarjun Mansur Yatra Puraskar (2010), and the Sangeet Natak Akademi's Ustad Bismillah Khan Yuva Puraskar (2012).

Chandigarh audiences will get a chance to experience this legacy first hand today, when Korkali performs at Vardha Ritu Sangeet Samihya, an annual monsoon concert hosted by the Indian National Theatre, Chandigarh, in association with the Durga Das Foundation. The concert is free and open to all music lovers.

Today at 6:30 pm at Newton Hall, Strawberry Fields High School, Sector 26, Chandigarh.



दैनिक भास्कर

सिटी लाइफ 05-08-2024

'वर्षा ऋतु संगीत संध्या' में परफॉर्म करेंगे भुवनेश



खंडीखड | 9 अगस्त को सेक्टर-26 स्थित स्टूडियो फील्ड्स हाई स्कूल के सभागार में शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' का आयोजन किया जाएगा। इसे इंडियन नेशनल थिएटर की ओर से दुर्गा दाम फाउंडेशन के सहयोग से कराया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य वर्षा ऋतु के आगमन का उत्सव मनाना और इंडियन नेशनल थिएटर के संरक्षक रहे स्वर्गीय नवजीवन खोसला को श्रद्धांजलि देना है। इसमें हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के प्रसिद्ध गायक भुवनेश कोमकली परफॉर्म करेंगे। वे भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा से जुड़े युवा और प्रतिभाशाली कलाकार हैं। उन्हें अपने दादा महान शास्त्रीय गायक पंडित कुमार गंधर्व और पिता मुकुल शिवपुत्र की संगीत विरासत का सन्निध्य मिला है। इंडियन नेशनल थिएटर के प्रेसिडेंट अनिल नेहरू और मानद सचिव विनीता गुप्ता ने बताया- संध्या का आयोजन शाम 6:30 बजे से होगा। कार्यक्रम में भुवनेश कोमकली के साथ हरमोनियम पर चेतन निगम जोशी और तबले पर सुनील तबलवादारक शंभुनाथ भट्टाचार्य संगत करेंगे। इसमें एंटी प्रो।

अमर उजाला



भजन संध्या

■ गढ़वाल भवन - चंडीगढ़ सेक्टर 29 के गढ़वाल भवन में बाबा श्री गुरु माणिक नाथ सेवा समिति की ओर से एक शाम बाबा श्री गुरु माणिकनाथ जी के नाम भजन संध्या, दोपहर बाद 2 बजे

श्रीमद्भागवत कथा

■ ज्वाला माता मंदिर - सेक्टर 45 के ज्वाला माता मंदिर में श्री हरि सिमरण सेवा समिति की ओर से श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन। कथा व्यास आचार्य विवेक जोशी प्रवचन करेंगे, शाम 4.30 बजे से।

शास्त्रीय संगीत

■ स्ट्राबेरी फील्ड्स हाई स्कूल -सेक्टर 26 के स्ट्राबेरी फील्ड्स हाई स्कूल के सभागार में इंडियन नेशनल थिएटर की ओर से और दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से शास्त्रीय संगीत के कार्यक्रम वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026 का आयोजन। शाम 6.30 बजे।

टाइमिटी में खास

अमर उजाला

9 अगस्त को वर्षा ऋतु संगीत संध्या

चंडीगढ़। इंडियन नेशनल थियेटर की ओर से दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से नौ अगस्त को सेक्टर-26 स्थित स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल के सभागार में वर्षा ऋतु संगीत संध्या-2026 आयोजित की जाएगी।

कार्यक्रम का उद्देश्य वर्षा ऋतु का स्वागत करने के साथ इंडियन नेशनल थियेटर के संरक्षक रहे दिवंगत नवजीवन

खोसला को श्रद्धांजलि अर्पित करना है।

इंडियन नेशनल थियेटर के अध्यक्ष अनिल नेहरू और मानद सचिव विनीता गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम में हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के युवा एवं ख्यातिप्राप्त गायक भुवनेश कोमकली प्रस्तुति देंगे। उनके साथ हारमोनियम पर चेतन निगम जोशी और तबले पर शंभूनाथ भट्टाचार्य संगत करेंगे। संवाद

पंजाब केसरी

Chandigarh Kesar
Aug 06, 2024

पंजाब केसरी

वर्षा ऋतु संगीत संध्या में गूंजेगा शास्त्रीय संगीत

चंडीगढ़, 5 अगस्त (पाल): शहर के संगीत प्रेमियों के लिए 9 अगस्त की शाम शास्त्रीय संगीत के नाम रहेगी। इंडियन नेशनल थियेटर (आई.एन.टी.) की ओर से दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से सेक्टर-26 स्थित स्टूडेंट्स फील्ड्स हाई स्कूल के सभागार में 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या' का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य वर्षा ऋतु के आगमन का स्वागत करने के साथ इंडियन नेशनल थियेटर के संरक्षक रहे स्वर्गीय नवजीवन खोसला को श्रद्धांजलि देना भी है।

आयोजकों के अनुसार, संगीत संध्या में शहरवासियों को हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की बेहतरीन प्रस्तुति सुनने का अवसर मिलेगा। इंडियन नेशनल थियेटर के प्रेसिडेंट अनिल नेहरू और मानद सचिव विनीता गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम शाम 6:30 बजे शुरू होगा। इसमें हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के युवा और चर्चित गायक भूवनेश कोमकली प्रस्तुति देंगे। उनके साथ हारमोनियम पर चेतन निगम जोशी और तबले पर सुप्रसिद्ध तबला वादक शंभूनाथ भट्टाचार्य संगत करेंगे।

दैनिक जागरण

वर्षा ऋतु संगीत संध्या में शामिल होंगे शास्त्रीय गायक भुवनेश कोमकली



11/11/2011 11:11 AM

स्वातंत्र्य विरोधी, अहिंसक : राजा ने कई कार्यक्रम चलाए होते हैं जिनसे देशवासियों के मन में गहरा जलन है। दूसरे में युद्ध कार्यक्रम जो बहुत संवेदनशील माने जाते हैं। इससे अहिंसक प्रतिष्ठान-शासन विचार का जो भी गीत बुरा दयाकार दृष्टिकोण के संश्लेषण से प्रभावित माना जा सकता है। इस तरह वह संवेदनशील होने से अहिंसक को विचार-प्रतिष्ठान की ओर झुकने का मौक़ा मिल सकता है। राजावादी संस्था पर प्रभावित इस संवेदनशीलता का उपयोग करके राजा को राजा के रूप में प्रभावित कर सकते हैं।

[illegible]

इंडियन नेशनल थियेटर का 9 अगस्त को होगा 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' का आयोजन

प्रसिद्ध राष्ट्रीय गायक भुवनेश कोमकली अपनी प्रस्तुति से श्रोताओं को करेंगे मंत्रमुग्ध

सवेरा न्यूज/ राकेश

चंडीगढ़, 4 अगस्त: इंडियन नेशनल थियेटर द्वारा दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से 9 अगस्त को सेक्टर-26 स्थित एक स्कूल के सभागार में शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वर्षा ऋतु के आगमन का उत्सव मनाना और इंडियन नेशनल

थियेटर के संस्थापक रहे स्वर्गीय नवजीवन खोसला को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करना है। इंडियन नेशनल थियेटर के प्रेसिडेंट अनिल नेहरू और मानद सचिव विनीता गुप्ता ने बताया कि संगीत संध्या का आयोजन शाम 6.30 बजे से होगा। इसमें हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के प्रसिद्ध गायक भुवनेश कोमकली अपनी मधुर और भावपूर्ण प्रस्तुतियों से संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध करेंगे। विनीता गुप्ता ने बताया कि भुवनेश कोमकली भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा से जुड़े युवा और

प्रीतिभाषाली कलाकार हैं। उन्हें अपने दादा महान शास्त्रीय गायक पंडित कुमार गंधर्व और पिता मुकुल शिवकुमार को संगीत विरासत का सान्निध्य मिला है। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्रसुंधरा कोमकली और प्रसिद्ध संगीतज्ञ मधुप मुद्गल से प्राप्त की, जो आज भी निरंतर जारी है। उन्होंने बताया कि भुवनेश कोमकली अपनी साधना, स्वाध्याय और निरंतर शिखर के माध्यम से शास्त्रीय संगीत की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। वे पंडित कुमार गंधर्व के विचारों और संगीत मूल्यों को आत्मसंज्ञत करते हुए अपनी गायकी में

विविध धारणाओं, लोक संगीत और समकालीन संगीत के तत्वों का सुंदर समन्वय प्रस्तुत करते हैं, जिससे उनकी प्रस्तुतियाँ श्रोताओं के लिए एक अनूठा संगीत अनुभव बन जाती हैं।

भुवनेश कोमकली, कुमार गंधर्व प्रतिष्ठान, देवास के सचिव सचिव हैं और आधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से पंडित कुमार गंधर्व की संगीत धरोहर को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने हिंदी फीचर फिल्म देवी अंतर्लोक और कवक नृत्य के लिए भी संगीत तैयार किया है।

जगमार्ग

सुरों में सजेगी सावन
की शाम, 9 अगस्त को
गूंजेगी भुवनेश कोमकली
की गायकी



चंडीगढ़ (जगमार्ग न्यूज़)। इंडियन नेशनल थियेटर (आईएनटी) और दुर्गा दास फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 9 अगस्त को सेक्टर-26 स्थित स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल के सभागार में 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या-2026' का आयोजन किया जाएगा। वर्षा ऋतु के आगमन का उत्सव मनाने के साथ-साथ आईएनटी के संरक्षक रहे स्वर्गीय नवजीवन खोसला को संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के युवा और चर्चित गायक भुवनेश कोमकली अपनी प्रस्तुति देंगे। इंडियन नेशनल थियेटर के अध्यक्ष अनिल नेहरू और मानद सचिव विनीता गुप्ता ने बताया कि संगीत संध्या का आयोजन शाम 6:30 बजे से होगा। कार्यक्रम में भुवनेश कोमकली अपनी विशिष्ट गायकी के माध्यम से वर्षा ऋतु की भावभूमि पर आधारित रागों की प्रस्तुति देंगे।

इंडियन नेशनल थियेटर द्वारा 9 अगस्त को होगा
'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' का आयोजन



ਬਾਂਡੀਗੜ੍ਹ (ਹਰਿਧਾਣਾ ਨਿਯੁਕਤ ਫਲੈਸ਼)

इंडियन नेशनल थियेटर द्वारा दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से 9 अगस्त को सेक्टर-26 स्थित स्टूडियो फील्ड्स हाई स्कूल के सभागार में राश्वीय संगीत कार्यक्रम 'वर्षा ऋतु संगीत संघा 2026' का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वर्षा ऋतु के आगमन का उत्सव मनाना और इंडियन नेशनल थियेटर के संरक्षक रहे स्वर्गीय नयजीवन खोसला को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करना है।

इंडियन नेशनल थियेटर के प्रेसिडेंट अनिल नेहरू और मानद सचिव दिनीता गुप्ता ने बताया कि संगीत संघा

का आयोजन शाम 6:30 बजे से होगा। इसमें हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के प्रसिद्ध गायक भुवनेश कोमकली अपनी मधुर और भावपूर्ण प्रस्तुतियों से संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध करेंगे। विनीता गुप्ता ने बताया कि भुवनेश कोमकली भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा से जुड़े युवा और प्रतिभावाली कलाकार हैं। उन्होंने अपने दादा महान शास्त्रीय गायक पंडित कुमार गंधर्व और पिता मुकुल शिवपुत्र की संगीत विरासत का सन्निधिमिला है। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा श्रीमती यमुंधरा कोमकली और प्रसिद्ध संगीतज्ञ श्री मधुप मुद्गल से प्राप्त की, जो आज भी निरंतर जारी है। उन्होंने बताया कि भुवनेश कोमकली अपनी साधना, स्वाध्याय और निरंतर रियाज के माध्यम से शास्त्रीय संगीत की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। वे पंडित कुमार गंधर्व के विचारों और संगीत मूल्यों को आत्मसात करते हुए अपनी गायकी में विभिन्न पराओं, लोक संगीत और समकालीन संगीत के तत्वों का सुंदर समन्वय प्रस्तुत करते हैं, जिससे उनकी प्रस्तुतियाँ श्रोताओं के लिए एक अनूठा संगीत अनुभव बन जाती हैं। भुवनेश कोमकली, कुमार गंधर्व प्रतिष्ठान, देवास के सक्रिय सचिव हैं और आधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से पंडित कुमार गंधर्व की संगीत धरोहर को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने हिंदी फीचर फिल्म 'देवी अहिल्या' और कथक नृत्य के लिए भी संगीत तैयार किया है। देश के अनेक प्रतिष्ठित संगीत समारोहों में उनकी प्रस्तुतियों को संगीत प्रेमियों और विद्वानों ने खूब सराहा है। उन्हें भारत सरकार के संस्कृति विभाग द्वारा छात्रवृत्ति सम्मान भी प्राप्त हो चुका है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में भुवनेश कोमकली के साथ हारमोनियम पर चैतन निगम जोशी और तबले पर सुप्रसिद्ध तबला वादक शंभूनाथ भट्टाचार्य संगत करेंगे। 'वर्षा ऋतु संगीत संस्था 2025' में सभी संगीत प्रेमियों के लिए प्रवेश नि:शुल्क रहेगा।

इंडियन नेशनल थियेटर द्वारा 9 अगस्त को होगा 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' का आयोजन

भंडोला (जन विशेष न्यूज़): इंडियन नेशनल थियेटर द्वारा शुभ रात्रि कार्यक्रम के तहत 9 अगस्त को दोकन-26 स्थित स्टुडियो मीलियुम हाई स्कूल के सभागार में सांस्कृतिक संगीत कार्यक्रम 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' का आयोजन किया जाएगा।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य वर्षा ऋतु के आयोजन का उत्सव मनाना और इंडियन नेशनल थियेटर के संस्थापक डॉ. जयदीप जयदीप कोसल को श्रद्धांजलि अर्पित करना है। इंडियन नेशनल थियेटर के डीपटीए जयदीप जयदीप और सचिव रविशंकर मिश्र ने बताया कि इसी अवसर का आयोजन रात्रि 6-30 बजे में होगा। इसमें हिंदुस्तानी सांस्कृतिक संगीत के प्रसिद्ध गायक भुवनेश कोसलानी अपनी गुरु और शिष्य प्रशस्ति के संगीत कार्यक्रम को संयोजन करेंगे। विभिन्न रूप में



बताया कि भुवनेश कोसलानी भारतीय सांस्कृतिक संगीत को समृद्ध पारंपारिक में नृत्य, नृत्य और प्रदर्शनकारी प्रदर्शन है।

उन्होंने अपने एक महान सांस्कृतिक गायक पंडित कुमार गंधर्व और गुरु गुरुकुल तिरुवुर की संगीत विरासत का सम्मान किया है। उन्होंने अपनी पारंपरिक शिक्षा कोसलानी कोसलानी और प्रसिद्ध

संगीत गुरुकुल में प्राप्त की, जो आज भी निरंतर जारी है। उन्होंने बताया कि भुवनेश कोसलानी अपने गंधर्व, गंधर्व और पंडित विद्या के माध्यम से भारतीय संगीत को पारंपारिक और नए रूप में है।

वे पंडित कुमार गंधर्व के विरासत और संगीत गुरुकुल को आभार व्यक्त करते हुए अपने गंधर्व में विभिन्न गंधर्व, लोक संगीत और समकालीन संगीत के गंधर्व का गुरु सम्मान प्रस्तुत करते हैं, जिसमें उनकी प्रशस्ति कोसलानी के लिए एक अनुभूतिपूर्ण अनुभव बन जाते हैं।

भुवनेश कोसलानी, कुमार गंधर्व प्रशस्ति, देशांतर के रचित रचित है और अनुभूतिपूर्ण विरासत कोसलानी के माध्यम में पंडित कुमार गंधर्व को संगीत धरोहर को वापस करने में सहभागी भूमिका निभा रहे हैं।

ट्राई सिटी न्यूज़ लाईन

हिंदी समाचार 24x7

इंडियन नेशनल थियेटर द्वारा 9 अगस्त को होगा 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' का आयोजन



ट्राई सिटी न्यूज़ लाईन/ब्यूरो

राष्ट्रीय। इंडियन नेशनल थियेटर द्वारा कुर्न कांफास्टेशन के तहत 9 अगस्त को सेक्टर-18 पिछा स्टूडियो पील्डन हाई स्कूल के सभागार में राष्ट्रीय संगीत कार्य में 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' का आयोजन किया जाएगा। इस कार्य में काउंटेराप्ट कार्य के अंगणन का उत्सव मनाया और इंडियन नेशनल थियेटर के संस्कार रहे राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम को मजदूरों बहाजिन जितल करना है। इंडियन नेशनल थियेटर के प्रेसिडेंट जिन वेल्स और माया लीला पिछा गुन ने बताया कि संगीत संध्या का आयोजन रात 6:30 बजे हो होगा।

इन्होंने हिंदुस्तानी राष्ट्रीय संगीत के प्रसिद्ध गायक मुकेश कोमरवानी अपनी गुर और मजदूरों प्रस्तुतियों से संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध करेंगे। पिछा गुन ने बताया कि मुकेश कोमरवानी भारतीय

राष्ट्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा से जुड़े गुरु और प्रतिभाधारी का कवक हैं। उन्हें अपने बड़ा मूल्य राष्ट्रीय गायक पीला कुमर गजर्द और जिन मुकुन किशुन जी संगीत विठला का लक्षित मिल है। उन्होंने अपनी प्रतिभा सिखा बीनने वसुधा कोमरवानी और प्रसिद्ध संगीतज्ञ बी नरुप सुनल से ज्ञान की, जो आज भी सिराज जारी है।

उन्होंने बताया कि मुकेश कोमरवानी अपनी सज्ज, स्वाभाव और सिराज रिपज के माध्यम से राष्ट्रीय संगीत की परंपरा को अगे बढ़ा रहे हैं। वे पीला कुमर गजर्द के गिधरी और संगीत मुन्दी को आनस्ता करती गुर अपनी गायारी में विभिन्न धारा, लोक संगीत और समकालीन संगीत के

कार्य का सुंदर समायोजन प्रस्तुत करती हैं, जिससे उनकी प्रस्तुतियां बीनने के लिए एक अमूल्य संगीत अनुभव बन जाती हैं।

मुकेश कोमरवानी, कुमर गजर्द प्रसिद्ध, वेल्स के लीडर संधिया हैं और आधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से पीला कुमर गजर्द की संगीत परंपरा को संरक्षित करने में मजदूरोंन भूमिका निभ रहे हैं। उन्होंने हिंदी पील्डर रिपज 'जेई जेलिच' और कवक गुन के लिए से संगीत संध्या दिया है। वेल्स के अनेक प्रसिद्ध संगीत रसतरी में अपनी प्रस्तुतियों को संगीत प्रेमियों और विद्वानों से वसु कराता है। उन्हें भारत सरकार के संस्कृति विभाग द्वारा काबूली सम्मान भी ज्ञान हो चुका है।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में मुकेश कोमरवानी के साथ हायरसेमिना पर रोशन सिमान जोली और तबाने पर सुप्रसिद्ध तबाने तबाने संभुसव भुगवर्द संगत करेंगे। 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' में सभी संगीत प्रेमियों के लिए प्रवेश निमुक्त रहेगा।

Post Event Coverage and Media Interaction



Carrying forward a legacy...

NEERA SEN

GRANDSON of legendary Kumar Gandharva, you would expect gifted classical vocalist Bhuvanesh Kulkarni to share musical wisdom at the drop of the hat. In Chandigarh, at the invitation of Indian National Theatre for a delightful and soulful concert on Sunday evening, he makes us privy to a treasure which only a lifetime of the tuneless world is. For the life lesson he has inherited from his grandfather or, his father, wanted great Mahatma Gandhi or his equally talented guru Madhup Madhul are not easy teachers.

Music was a given not only as a practice but of divine essence, deep research. He can't say when he woke up to his grandfather's grandson either, which he means it is so that 24 years after his passing somewhere around to discover more and more facets of Gandharva music. Taking the secretary of Pundit Kumar Gandharva Parishad, he listened to digitised nearly 500 hours of Gandharva's recordings and each time he listens to his grandfather, he is struck by more ways than one. And Kumar's words on how Indian classical music is about creative freedom within the confines of tradition ring over so true. In fact, according to Bhuvanesh, the beauty of Indian clas-

An inherited legacy becomes a lifelong journey of discovery for Bhuvanesh Kulkarni

sical music is embedded in the very lineage possibility. He adds, "The same note rendered by different students can sound absolutely fresh for each but freedom to express it the way he/she wants." Carrying forth the mantle of an Indian legacy becomes a responsibility and the promise, perhaps subtle, to inherit freedom, and as he puts it, "won't become any less with time."

Initial years were spent learning from his grandmother Bhuvanesh Kulkarni. But it was Pundit Madhup Madhul who taught him what it means to be a singer. He recalls one particular concert where the audience might have given up on him, but it was his guru's reassurance, "agar aise hi gane hai toh gane chhod do" which set him on the real musical path. Since without discipline there is no music, Bhuvanesh observes.

Butter, he feels very strongly that the new generation is very much in sync with Indian classical music, as composers, as listeners and above all, as instruments of

dissemination. "What makes the outreach of our music phenomenal, according to him is, "Indian classical music is not for mass appeal but it is universal. It nurtures and elevates the listeners." Yet he who has stepped away for Hindi music (and 2014 is it of the opinion that not all music or its great exposure needs to be accessible all the time. So he believes his nephew Aditya Pandit Mahatma Gandhiji might have when absorbed the twilight, nothing can take away from his musical presence. Similarly, Kumar's music, which Bhuvanesh has promised to continue, is available to others only at Dehra in Madhya Pradesh, for it remains only those lonely stretched gain across.

Navigating one's way between tradition and innovation is not always predicted, he says. "One cannot control completely in tradition. You can't suddenly wake up one morning and decide to create a new masterpiece. You have to first master what already exists, what tradition has bequeathed to us." And it's this humble realization that makes him not only a worthy inheritor of an unbroken musical heritage but also its rightful champion and guardian.



The same note rendered by different stalwarts can sound absolutely fresh for which has freedom to express it the way he/she wants

पंजाब केसरी

Chandigarh Kesari
Aug 09, 2026

पंजाब केसरी

प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक भुवनेश कोमकली की प्रस्तुति आज

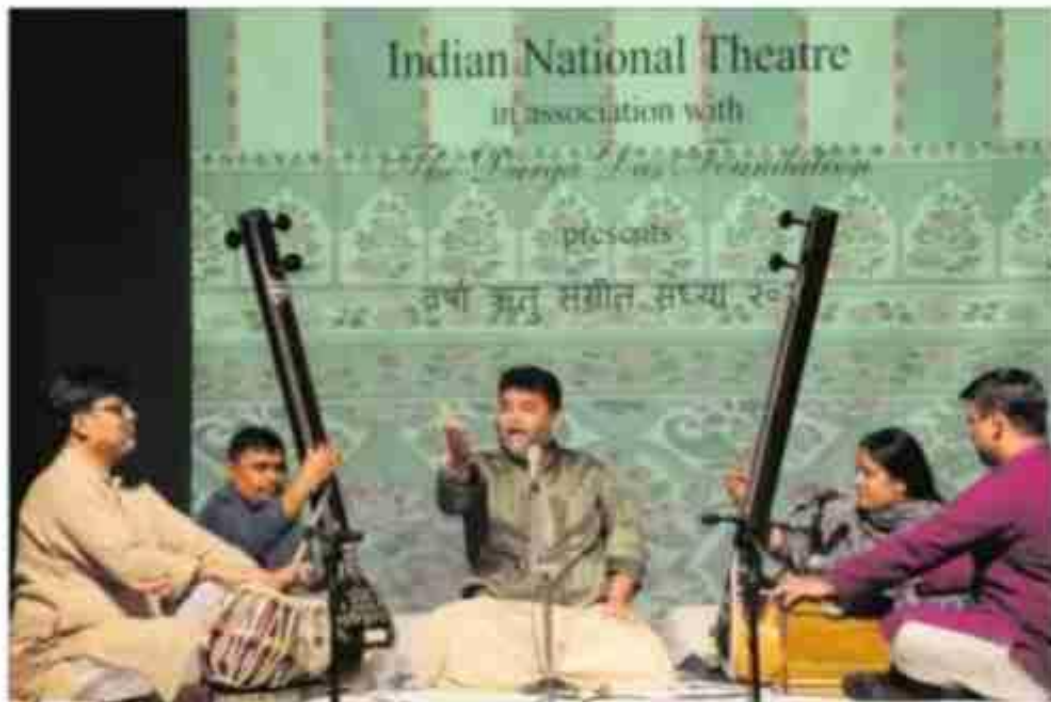
चंडीगढ़, 8 अगस्त (पाल): इंडियन नेशनल थियेटर

द्वारा दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से 9 अगस्त को सेक्टर-26 स्थित स्टूडेंट्स फील्ड्स हाई स्कूल के सभागार में शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' का आयोजन किया जाएगा।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य वर्षा ऋतु के आगमन का उत्सव मनाना और इंडियन नेशनल थियेटर के संरक्षक रहे स्वर्गीय नवजीवन खोसला को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करना है। संगीत संध्या का आयोजन शाम 6:30 बजे से होगा। इसमें हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के प्रसिद्ध गायक भुवनेश कोमकली अपनी मधुर और भावपूर्ण प्रस्तुतियों से संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध करेंगे।



Musical evening



Hindustani classical vocalist Bhuvanesh Mukul Komkali performs at Strawberry Fields School in Sector 26, Chandigarh, on Sunday. TRIBUNE PHOTO: VICKY

Musical Performance

‘ऋतु आई बोले मोरा रे’



उड़ीस | मौसम को फुलरो और शास्त्रीय सुरों का खूबसूरत संगम देखने को मिला सेक्टर-26 स्थित स्टूडियो फील्ड्स हाई स्कूल के अडि्टोरियम में। यहां इंडियन नेशनल थिएटर की ओर से ‘वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026’ का आयोजन किया गया। दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से हुए कार्यक्रम में हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक भुवनेश कोमकली ने परफॉर्म किया। उन्होंने प्रस्तुति की शुरुआत ‘करीम नाम तेरे’ से की। इसके बाद ‘सावन झरियो’ प्रस्तुत किया, जिसकी रचना उनके दादा पंडित कुमार गंधर्व ने की थी। राग गौड़ मल्लार में ‘झुकी आई बरिय्या सावन की’, ‘मैं कैसे आऊं बलमा’, ‘मेघा को ऋतु आया

रे’ भी सुनाया। इसके अलावा उन्होंने लोकगीत ‘झल रे बादल बीच’, लोक भजन ‘ऋतु आई बोले मोरा रे’, ‘गगन घटा गहराई’ पेश किया। भुवनेश कोमकली एक हिंदुस्तानी शास्त्रीय कलाकार हैं। उन्हें अपने दादा, महान संगीतज्ञ पंडित कुमार गंधर्व, और पिता मुकुल शिवपुत्र से संगीत की विरासत मिली है। उन्होंने संगीत की शुरुआती शिक्षा वसुंधरा कोमकली और संगीतज्ञ मधुप मुद्गल से प्राप्त की। वे आज भी उनके मार्गदर्शन में अपनी कला को लगातार निखार रहे हैं। उनके साथ चेतन निगम ने हारमोनियम पर और तबला नवाज शंभूनाथ भट्टाचार्य ने तबले पर संगत की। कार्यक्रम का संचालन अतुल दुबे ने किया।

अमर उजाला



Chandigarh city

10-08-2026

भुवनेश की भावपूर्ण गायकी से सजी वर्षा ऋतु संगीत संध्या



सेक्टर-26 में वर्षा ऋतु संगीत संध्या कार्यक्रम में प्रस्तुति देने भुवनेश कोमकली। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

चंडीगढ़। सेक्टर-26 स्थित स्ट्रॉबेरी फ़िल्ड्स हाई स्कूल के सभागार में रविवार को वर्षा ऋतु संगीत संध्या का आयोजन हुआ। यह आयोजन इंडियन नेशनल थिएटर की ओर से दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से हुआ। संगीत संध्या में शास्त्रीय गायक भुवनेश कोमकली ने अपनी भावपूर्ण दी। भुवनेश कोमकली ने कार्यक्रम की शुरुआत

राग मियां मल्हार में विलांबित एकताल के पारंपरिक खयाल करीम नाम तेरो से की।

इसके बाद इसी राग में उनके दादा पंडित कुमार गंधर्व की रचना सावन इरिये प्रस्तुत कर वर्षा ऋतु के उत्सास को स्वर दिया। राग गौड़ मल्हार में झुकी आई बदरिया सावन की ने खातावरण को और संगीतमय बना दिया। उन्होंने राग पोलू खमाज में तुमरी मैं कैसे आऊं बलमा और राग जलधर केदार में मेघा को ऋतु आये रे प्रस्तुत किया।

पंजाब केसरी

Chandigarh Kesari

Aug 10, 2026

पंजाब केसरी

भुवनेश कोमकली की मल्हार गायकी से सजी वर्षा ऋतु संगीत संध्या
मियां मल्हार से निर्गुणी भैरवी तक शास्त्रीय सुरों में डूबे
श्रोता, दिवंगत नवजीवन खोसला को दी संगीतमय श्रद्धांजलि

चंडीगढ़, 9 अगस्त (पल):

मानसून की फुहारों और वर्षा ऋतु की खुशमुरती को हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के सुरों में पिरोया गया। इंडियन नेशनल थिएटर की ओर से जर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से सैक्टर-26 स्थित स्टूडियो पोलिट्स हाई स्कूल में 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या' का आयोजन किया गया।

प्रसिद्ध हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक भुवनेश कोमकली ने अपनी भावपूर्ण गायकी से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य मानसून का स्वागत करने के साथ इंडियन नेशनल थिएटर के संरक्षक रहे दिवंगत नवजीवन खोसला को संगीत के माध्यम से श्रद्धांजलि देना भी था।

इंडियन नेशनल थिएटर के अध्यक्ष अनिल नेहरू और मानद सचिव विनीता गुप्ता ने कहा कि संगीत के माध्यम से उन्हें याद करना संस्था के लिए भावपूर्ण श्रद्धांजलि है। भुवनेश कोमकली ने प्रस्तुति की शुरुआत राग मियां मल्हार से की। उन्होंने बिलंबित एकताल में पारंपरिक रागाल 'करीम नाम तेरी'

शास्त्रीय संगीत में लोक रंग भी घोला

भुवनेश कोमकली ने शास्त्रीय प्रस्तुतियों के साथ लोक संगीत का रंग भी दिखाया। उन्होंने लोकगीत 'डाल रे बादल बीव' और लोक भजन 'ऋतु आई बोले मोरा रे' प्रस्तुत किए। इन प्रस्तुतियों में शास्त्रीय संगीत की धारिकाओं के साथ लोक संगीत की सहजता का सुंदर मेल देखने को मिला। कार्यक्रम का समायोजन राजा निर्गुणी भैरवी में काबीर के भजन 'जगत घटा जलराई' से हुआ। आध्यात्मिक भाव से ओतप्रोत इस प्रस्तुति ने श्रोताओं की भाँति और अत्यंतिक आनंद का अनुभव कराया और इसे खूब सराहा गया।

भुवनेश कोमकली को संगीत की विरासत अपने दादा पंडित कुमार गोवंद और पिता सुकुल शिक्पूर से मिली है। उन्होंने प्रारंभिक संगीत शिक्षा वसुंधरा कोमकली और प्रसिद्ध संगीतज्ञ मधुप मुद्गल से प्राप्त की। वह लगातार अपने संगीत को निखार रहे हैं। कार्यक्रम में वेताल निजाम ने हारमोनियम और शंभूनाथ भट्टाचार्य ने तबले पर संजत की। दोनों की संगत ने भुवनेश की गायकी को और प्रभावशाली बनाया। कार्यक्रम का संचालन अमृत दुबे ने किया।

प्रस्तुत किया। इसके बाद इसी राग में दूत बंदिश' सावन धरियो' सुनाई, जिसकी रचना उनके दादा और प्रसिद्ध संगीतज्ञ पंडित कुमार गोवंद ने की थी। इसके बाद राग गौड़ मल्हार में 'झुकी आई बहरिया

सावन की' और राग पोलू खमान में तुमरी' में कैसे जाऊँ बलमा' पेश की। राग जलधर केदार में 'मेरा को ऋतु आयो रे' ने वर्षा ऋतु के माहौल को और संगीतमय बना दिया।

दैनिक जागरण

सिटी • १३ अक्टूबर, 2023
www.jagran.com



सिटी • १३ अक्टूबर, 2023

शपाट्ट

रोकट-23 के फाल मध्य में रिकवरी शपाट्ट
में फाल से मानसून मॉनसून का हवा समझ



कलम में दुखी

कलम में दुखी...
कलम में दुखी...
कलम में दुखी...

कलम में दुखी...
कलम में दुखी...
कलम में दुखी...

बदलवा मचाए शोर, बूंदे बरसन लागी...



कलम में दुखी...
कलम में दुखी...
कलम में दुखी...

झुकी आई बदरिया साधन

झुकी आई बदरिया साधन...
झुकी आई बदरिया साधन...
झुकी आई बदरिया साधन...



इंडियन नेशनल थिएटर का 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' हुई शुरू

■ गायक भुवनेश कोमकली की भावपूर्ण गायकी ने किया श्रोता मंत्रमुग्ध

सवेरा (मुंबई) संवाद

मुंबई, 9 अक्टूबर: प्रसिद्ध हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक भुवनेश कोमकली ने 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' में अपनी प्रभावशाली और भावपूर्ण प्रस्तुति से श्रोताओं को मन मोह लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन इंडियन नेशनल थिएटर ने मुंबई प्रांत पर्यटन के आयोजन से किया था।

एक संगीत संध्या के रूप में 26 मिनट एक मंच के माध्यम से आयोजित की गई। कार्यक्रम में हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा के माध्यम से श्रोताओं को वर्षा ऋतु के आगमन का स्वागत किया गया। इंडियन नेशनल थिएटर के अध्यक्ष अजित केकर और मानव संसाधन विभागाध्यक्ष ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल श्रोताओं को वर्षा ऋतु का स्वागत करना ही नहीं था, बल्कि इंडियन नेशनल थिएटर के



राष्ट्रीय गायक भुवनेश कोमकली ने 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' में अपनी प्रस्तुति दी।

संरचना को दिखाना आवश्यक है। कार्यक्रम को संगीत के माध्यम से बढ़ावा देने का भी था।

संगीत के माध्यम से बढ़ावा देने के अलावा, कार्यक्रम के माध्यम से श्रोताओं को वर्षा ऋतु के आगमन का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के आयोजन के माध्यम से श्रोताओं को वर्षा ऋतु के आगमन का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के आयोजन के माध्यम से श्रोताओं को वर्षा ऋतु के आगमन का स्वागत किया गया।

कोमकली ने अपने गायन के माध्यम से श्रोताओं को वर्षा ऋतु के आगमन का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के आयोजन के माध्यम से श्रोताओं को वर्षा ऋतु के आगमन का स्वागत किया गया।

कोमकली ने अपने गायन के माध्यम से श्रोताओं को वर्षा ऋतु के आगमन का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के आयोजन के माध्यम से श्रोताओं को वर्षा ऋतु के आगमन का स्वागत किया गया।

सुनाना। इस दौरान प्रस्तुतियों में वर्षा ऋतु की सुंदरता और भावनाओं को व्यक्त करने वाली प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत की गईं, जिससे पूरा कार्यक्रम भावुक और संवेदनशील हो गया।

कार्यक्रम का समापन उन्होंने पितृवर्णीय राग भिरुंगी के माध्यम से किया। इसमें उन्होंने कबीर की भावपूर्ण भजन गान पर श्रोताओं को प्रभावित किया। इस अंतिम प्रस्तुति में आयोजन के माध्यम से श्रोताओं को वर्षा ऋतु के आगमन का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के आयोजन के माध्यम से श्रोताओं को वर्षा ऋतु के आगमन का स्वागत किया गया।

✕ Bharat News Network 🔍 🌐

संस्कृत विभाग द्वारा छात्रवृत्ति सम्मान भी प्राप्त हो चुका है।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में भुवनेश कोमकली के साथ हारमोनियम पर चेतन निगम जोशी और तबले पर सुप्रसिद्ध तबला वादक शंभूनाथ भट्टाचार्य संगत करेंगे। 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' में सभी संगीत प्रेमियों के लिए प्रवेश निःशुल्क रहेगा।



👍 Like

💬 Comment

➦ Share

👤 Sohan Rawat

CHANDIGARH CITY NEWS

CHANDIGARH, INDIA

Home Business Entertainment Health Education Fashion Technology Sport

Home Chandigarh Chandigarh News Chandigarh News Chandigarh News Chandigarh News Chandigarh News

Chandigarh News Chandigarh News Chandigarh News Chandigarh News Chandigarh News

Indian National Theatre to host 'Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2026' on Aug-9

By ANAND KUMAR



CHANDIGARH

Clear Sky

30.8°C
~ 30.8°C
~ 30.8°C

10°C 10°C 10°C

37° 35° 34° 33° 31°

FOLLOW US



RECENT POSTS

Ranvijay Tuli is Trending
Ranvijay Tuli & Yashika Bhatia Get
First Talking

Super 101: South India's Best
Subrata Roy, First Look Revealed

Varsha Ritu Sangeet Sandhya
2026' organized by the Indian
National Theatre

Varsha Ritu Sangeet Sandhya
2026' organized by the Indian
National Theatre

The Great Indian Food Trail:
Regional Recipes That Deserve a
Place on Every Table

Dear Recipe Note - Ailsa
Pradhan

A Sudden Milestone for Tindori
Rishi Vaidya at 11th Indo-Russia
Championship 2023

Things effects from Ganga
Sacrifices, hard work of farmers &
Ganga of Youth CM

Army Chief General Dinku Singh
Gits on Haridwar CM, Disasters
Out-Military Sympathy For
Sensitized Welfare

Army Chief General Dinku Singh
Gits on Punjab Governor Gurbh
Chand Kataria



Renowned Hindustani Classical Vocalist Bhuvanesh Kumar to Entertain
Music Lovers in Chandigarh: Indian National Theatre, in collaboration
with Ganga Das Foundation, will organise a classical music programme—
Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2026 on August 9 at the auditorium of
Sardar Vallabhbhai Patel High School, Chandigarh. The event celebrates the
arrival of the monsoon season and pays homage to RIT's late patron,
Shri Ranvijay Khosla.

Indian National Theatre President Anil Nehra and Honorary Secretary
Vishu Gupta said that the musical evening will commence at 6:30 pm
with Renowned Hindustani classical vocalist Bhuvanesh Kumar's
poignant and evocative performance.

Vishu Gupta stated that Bhuvanesh Kumar is a gifted young artist who
belongs to the rich tradition of Indian classical music. He has inherited
the musical legacy of his grandfather, the legendary Pandit Kesar
Gandharva, and his father, Mahesh Choudhary. He received his initial
training from Gita Varadachari and eminent musician Shri
Madhup Mudgal and continues to refine his art under their guidance.

She added that through dedicated practice, self-study and rigorous
training, Bhuvanesh Kumar is carrying forward the rich tradition of
Hindustani classical music. Inspired by the musical philosophy and
values of Pandit Kesar Gandharva, he beautifully blends the essence of
various gharanas, folk traditions and contemporary musical elements,
creating a unique and evocative experience for audiences.

Bhuvanesh Kumar is the Secretary of the Kesar Gandharva

Indian National Theatre to host 'Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2026' on Aug-9

By Sanjiv Sharma | 10/08/2022



Indian National Theatre, in collaboration with Durga Das Foundation, will organize a classical music programme—Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2026 on August 9 at the auditorium of Government Girls High School, Sector 29, Chandigarh. The event celebrates the arrival of the monsoon season and pays homage to the late poet, Shri Rajendra Prasad.



Indian National Theatre President Anil Kishor and Honorary Secretary Vineta Gupta said that the musical evening will commence at 8:30 pm with Ramesh Mishra's classical vocal Shriyash Kulkarni's soulful and evocative performance.



Latest article

- The Theatre India**
Academy & Theatre
Sangeet Karmas Sahas
Kulkarni Will a New
Cast and Stage
Drama
- Shriyash: The**
Music Festival
Shriyash Kulkarni
Shriyash Kulkarni
Shriyash Kulkarni
Shriyash Kulkarni
- Shriyash: The**
Music Festival
Shriyash Kulkarni
Shriyash Kulkarni
Shriyash Kulkarni
Shriyash Kulkarni
- Shriyash: The**
Music Festival
Shriyash Kulkarni
Shriyash Kulkarni
Shriyash Kulkarni
Shriyash Kulkarni
- Shriyash: The**
Music Festival
Shriyash Kulkarni
Shriyash Kulkarni
Shriyash Kulkarni
Shriyash Kulkarni
- Shriyash: The**
Music Festival
Shriyash Kulkarni
Shriyash Kulkarni
Shriyash Kulkarni
Shriyash Kulkarni

UNLOCK 4.0 - DAY 2173
Live Coverage From Aug 10 2026 11:46

INDIA

TOTAL CASES	ACTIVE CASES	RECOVERED	DEATHS
15616130	2157538	13276039	182553

इंडियन नेशनल थियेटर द्वारा 9 अगस्त को होगा 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' का आयोजन.....

LIVE
News

BREAKING NEWS

कृपया इस खबर को शेयर जरूर करें

Listen to this

चंडीगढ़, 5 अगस्त, 2026: इंडियन नेशनल थियेटर द्वारा दुर्गा दास पारंपरिक के सहयोग से 9 अगस्त को सेक्टर-26 स्थित स्टूडेंट्स पीपल्स हाई स्कूल के सभागार में राष्ट्रीय संगीत कार्यक्रम 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वर्षा ऋतु के आगमन का उत्सव मनाना और इंडियन नेशनल थियेटर के संरक्षक रहे स्वर्गीय नवाजीवन खोसला को भावपूर्ण अर्पणजति अर्पित करना है।





Advertisement
click here

राष्ट्रियता और अहिंसा

इंडियन नेशनल थियेटर द्वारा 9 अगस्त को होगा 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' का आयोजन

2 Comments 0 August 6, 2024



इंडियन नेशनल थियेटर द्वारा आयोजित 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' का आयोजन

पटना, 5 अगस्त, 2024: इंडियन नेशनल थियेटर द्वारा आयोजित 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' का आयोजन 9 अगस्त को होगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वर्षा ऋतु के आगमन का उत्सव मनाया और इंडियन नेशनल थियेटर के सदस्यों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना है।

इंडियन नेशनल थियेटर के अध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार और अन्य अधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन वर्षा ऋतु के आगमन के अवसर पर होगा। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए संगीतकारों को अवसर प्रदान किया जाएगा।

इंडियन नेशनल थियेटर के अध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य वर्षा ऋतु के आगमन का उत्सव मनाया और इंडियन नेशनल थियेटर के सदस्यों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना है। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए संगीतकारों को अवसर प्रदान किया जाएगा।

इंडियन नेशनल थियेटर के अध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य वर्षा ऋतु के आगमन का उत्सव मनाया और इंडियन नेशनल थियेटर के सदस्यों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना है। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए संगीतकारों को अवसर प्रदान किया जाएगा।

इंडियन नेशनल थियेटर के अध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य वर्षा ऋतु के आगमन का उत्सव मनाया और इंडियन नेशनल थियेटर के सदस्यों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना है। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए संगीतकारों को अवसर प्रदान किया जाएगा।

इंडियन नेशनल थियेटर के अध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य वर्षा ऋतु के आगमन का उत्सव मनाया और इंडियन नेशनल थियेटर के सदस्यों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना है। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए संगीतकारों को अवसर प्रदान किया जाएगा।

[Home](#) / [Schedule](#) / Bhuvanesh Komkali, Carrying forward Kumar Gandharva's legacy through tradition and in-

Bhuvanesh Komkali: Carrying forward Kumar Gandharva's legacy through tradition and innovation

An illustrious legacy continues, a fitting homage of discovery for Bhuvanesh Komkali.



ADARSH SINGH
Updated: 2020-08-12 10:07

T X



FOLLOW



CONNECT WITH US



Grandson of legendary Kumar Gandharva, you would expect gifted classical vocalist Bhuvanesh Komkali to share musical wisdom at the drop of the hat. In Chandigarh, at the invitation of Indian National Theatre for a thoughtful and soulful concert on Sunday evening, he makes us privy to a journey which only a fortunate few like him have access to. Yet what he proffers are not novelties but profound insights. Much is revealed and much is unsaid, open for us to decipher. For the life lessons he has imbibed from his grandfather or his father, musical genius Mukul Shivapada or his equally talented guru Madhup Malgudi are not easy to decode.

Born in a musical atmosphere, the multitalented singer can't pinpoint the exact moment when music came into his life. Music was a given not only as a practice but of chirping monsoon, deep research. He can't say when he woke up to his grandfather's grandness either when he was a child or as an adult. But, 74 years after his grandfather's demise, he continues to



Home > Entertainment > Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2026' organised by the Indian National Theatre

Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2026' organised by the Indian National Theatre

By ANJ SHARMA • 14/06/2024

12

CHANDIGARH

Clear Sky

30.8 °C
30.8 °C

75% 45 Wind 2.5

37° 35° 34° 33° 31°

Join us on Telegram



Renowned Hindustani classical vocalist Bhuvanesh Kumar captivated audiences with a powerful and deeply expressive performance at 'Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2026', organised by Indian National Theatre in collaboration with the Durga Das Foundation.

The musical evening took place in the auditorium of Strawberry Fields High School, Sector 26, celebrating the arrival of the monsoon through the rich tradition of Hindustani classical music.

The event was organised not only to celebrate the arrival of the monsoon but also to pay tribute to the late Narsimhan Khosla, patron of the Indian National Theatre, a befitting homage through music that speaks directly to the soul, said Anil Nefry, President of the Indian National Theatre, and Vinay Gupta, Honorary Secretary.

Renowned classical vocalist Bhuvanesh Kumar commenced his captivating performance with "Kalam mehn teri," a traditional Khajur in vibrant Ek Taal in Raag Miyan Mathur.

He followed with a lively and spirited bandish, "Gaanvi pharye," composed by his grandfather, Pt. Kumar Gandharva, in the same raag. Then, in conjunction with the monsoon theme, came "Jhuki aa badliye sapna ki," a traditional bandish in madhya laya Teen Taal, in Raag Gaud Mathur.



Taking the musical narrative forward, he presented a soul-stirring 'thumri' in Raag Pilu Khajur, 'Main kaise aasun baitha,' followed by 'Megha ko rita aaye re' in Raag Jalandhar Kedar, both of which beautifully captured the essence of the season and enveloped the audience in a wave of

www.ccnnews.com

FOLLOW US



RECENT POSTS

Ramona Trailer Is Trending: Rishi Kapoor & Varsha Ritu Seto Fans Talking

Screen 2018: Sudhakar Radhe as Subrata Roy, First Look Revealed

Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2026' organised by the Indian National Theatre

Namdev Focused on enabling India's next generation of entrepreneurs through responsible finance

The Great Indian Food Trail: Regional Recipes That Deserve a Place on Every Table

Omani Recipe Note - Ada Pradhana

A Golden Milestone for Talent's Rishi Yadav at 11th Indo-Nepal Chess Championship 2024

Tringa efforts bring Soldiers' Sacrifice, hard work of farmers & dreams of Youth CM

Army Chief General Shergill Calls on Haryana CM, Discusses Civil-Military Synergy, Ex-Servicemen Welfare

Army Chief General Shergill calls on Punjab Governor Gurbaj Chand Kahlon

Online Media Coverage

<https://www.facebook.com/share/p/18jhLgvaGw/> *Like & Share*

<https://www.chandigarhcitynews.com/indian-national-theatre-to-host-varsha-ritu-sangeet-sandhya-2026-on-aug-9/>

<https://g7newz.com/indian-national-theatre-to-host-varsha-ritu-sangeet-sandhya-2026-on-aug-9/>

<http://indianews24x7live.com/16860/>

<https://cityuday.com/indian-national-theatre-to-organise-varsha-ritu-musical-evening-2026-on-9th-august/>

<https://www.tribuneindia.com/news/lifestyle/bhuvanesh-komkali-carrying-forward-kumar-gandharvas-legacy-through-tradition-and-innovation/> Bhuvanesh Komkali: Carrying forward Kumar Gandharva's legacy through tradition and innovation

<https://www.chandigarhcitynews.com/varsha-ritu-sangeet-sandhya-2026-organised-by-the-indian-national-theatre/>



Impact Media PRTM
Image Management

Impact Media PR-Image ManagementTM

ISO 9001:2015 Registration & Certificate Number:

QMS2024F85M744888641

Contact : +91 9041448901

sohan.rawat1295@gmail.com